(d) if io, the places identified therefor;

(e) the time by which these are likely to be commissioned ;

(f) whether MMTC intend to import Silver and Gold in bulk and act as canalising agency for this trade; and

(g) if so, the detaills of the proposed scheme?

THE MINISTER OF COMMERCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE) : (a) and (b) MMTC is the sponsoring Agency nominated by the Government of India for 100% Export Oriented Gold Jewellery Complex at Jhandewalan, New Delhi.

(c) No such proposal is under consideration.

(d) Jind (e) Do not arise.

(f) and (g) MMTC is the nominated Agency for supply of gold/silver/ platinum to the exporters of gems and jewellery in Domestic Tariff Area and Export Processing Zones under the EXIM Policy.

मद्यों का निर्यात

1810. **श्री प्रमोद महाजन :**
श्री गोविन्दराव आदिक :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान बियर, व्हिस्की व अन्य मद्यों के निर्यात का ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि देश में भारी मात्रा में मद्यों का निर्माण हो रहा है लेकिन अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उसका निर्यात पर्याप्त मात्रा में नहीं हो रहा है;

(ग) यदि हां, तो मद्य के कम निर्यात होने के क्या कारण है;

(घ) सरकार उत्पादन और निर्यात के इस अंतर को पूरा करने के लिए और मद्य के निर्यात को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठा रही है ;

(ङ) क्या यह सच है कि खाड़ी के देशों में मद्य की मांग बढ़ती जा रही है ; और

(च) यदि हां, तो सरकार इस मांग को पूरा करने के लिए क्या कदम उठाने का विचार रखती है ?

वाणिज्य मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) पिछले तीन वर्षों के दौरान बीअर, व्हिस्की और अन्य अल्कोहलों के निर्यात की मात्रा और मूल्य निम्नलिखित है :—

(मात्रा : हजार लीटर में)
(मूल्य : लाख रुपयों में)

	1991-92		1992-93		1993-94	
	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य	मात्रा	मूल्य
बीयर	1224	149	1463	207	2279	42
व्हिस्की	3004	1168	4598	1927	6001	2306
अन्य अल्कोहल	31816	2544	17264	1947	10106	1752

स्रोत : डी०जी०सी०आई० एण्ड एस० ।

(ख) से (घ) अल्कोहोलिक पेय पदार्थों के घरेलू उत्पादन की खपत मुख्यतः आन्तरिक बाजार में होती है । चूंकि इस सेक्टर के स्वदेशी उत्पादों की गुणवत्ता सामान्यतः अन्तर्राष्ट्रीय स्टैण्डर्ड की नहीं होती है इसलिए इनके निर्यात सामान्य स्तर के हैं । इस सेक्टर में संयुक्त उद्यमों के जरिए अंतर्राष्ट्रीय कम्पनियों को स्थानीय बाजार में प्रवेश की जो अनुमति दी गई है उससे सम्भावना है कि बेहतर तकनीकी और गुणवत्ता उन्नयन की शुरुआत से निर्यात में वृद्धि होगी ।

(ङ) और (च) बीयर, व्हिस्की और अन्य अल्कोहोलिक पेय पदार्थों का खाड़ी के देशों को हुए निर्यात में वृद्धि का रुख है । कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) उस क्षेत्र में आयोजित किए जा रहे अन्तर्राष्ट्रीय मेलों और प्रदर्शनियों में भाग ले रहा है । एपीडा की, एपीडा द्वारा अनुसूचित उत्पादों के निर्यातकों को वित्तीय सहायता देने की योजना है ।

जाली निर्यातक

1811. **श्री कनक सिंह मोहनसिंह मंगरोला :**
चौधरी हरमोहन सिंह :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में जाली निर्यातक है;